PYMATE®

Pymetrozine 50% WG

(Insecticide)

Pymetrozine 50% WG is a systematic insecticides and recommended for the control of Brown plant hopper in Rice crop. Foliar pest not directly hit by the spray are also controlled by Pymetrozine 50% WG pest stop feeding and die gradually after coming in contact with its spray.

Caution: Pymetrozine 50% WG is not to be used on crops other than specified in this leaflet.

Recommendation:

Crop (s)	Common Name of Pest	Dosage/HA		Dilution in water (liter)	Waiting Period between last spray to harvest (days)
		AI (gm)	Formu-lation (ml)		
Rice	Brown plant hopper	150	300	500	19

Re-entry Period : 24 hours.

Direction of Use: Measure the required quantity of insecticides and mix it in small quantity of water and gradually add the rest of the water to prepare solution. Apply with knapsack sprayer when pest appears on the crop and repeat if necessary as per pest incidence. Maximum two sprays to be given starting first spray at initial pest infestation reaching Economic Threshold Level (ETL).

Weather Condition(in general): Not to be used during unfavourable conditions.

Soil & Water(where ever applicable): light to heavy soil, clean water to be used for spray

Application Technique : Foliar application.

Frequency: based on infestation

Crop Stage for application: Vegetative to reproductive stage.

Time of Application: When used as per the recommendations given below Pymetrozine 50% WG provide control of Brown plant hopper in Rice crop.

Precaution: Do not use cooking utensils for preparing the spray solution. Use stick for stirring the spray solution. Avoid contact with Skin, Eye and clothing. Avoid inhalation of fog and vapor. Wear hand gloves and boot while handling the product. Do not eat, drink or smoke while applying the product. Wash hand with soap and plenty of water and change clothe after the work is over. Avoid contamination of air and water bodies with the insecticide also wash the contaminated clothes.

Precautions to be taken to avoid harm to the beneficial insects like honey bees and natural enemies of pests.

Symptoms Of Poisoning: Acute systemic toxicity in unlikely unless large amounts have been ingested. The symptom of poisoning may be irritation of eyes, skin and respiratory tract, hypoactivity, lacrimation, dypsea, soft stool, red stained urine, tremors, hypothemic to touch, erythema etc.

First Aid: Remove affected person to a well ventilated area or fresh air and protect him from undercooling. 1. In case of skin contact: Remove contaminated clothing and thoroughly wash the affected parts of the body with soap and water. 2. In case of Eye contact: Rinse eyes with clean water for several minutes. 3. In case of Ingestion: Get the attention of the medical doctor immediately.

Note: Do not induce vomiting or never give anything by mouth to an unconscious person. Rinse the mouth with water and give one or two glass of water to drink if conscious and alert.

Phytotoxicity: The product is not phytotoxic when used as per recommended dose.

Antidote: No specific antidote is known. Treat symptomatically.

Disposal of Used Container: 1. The packages shall be broken and buried away from habitation. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. Packages or surplus material and washing should be disposed off in safe manner so as to prevent environment or water pollution.

Storage Conditions: 1. Packages containing the insecticides shall be stored in separate rooms or premises away from the room or premises use for storing the other articles or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the insecticides. 2. The room or the premises meant for storing the insecticide, shall be well built, well lit, well ventilated and sufficient dimension to avoid contamination with vapour.

Chemical Composition:

Pymetrozine a.i.	50.00% w/w
Lignosulfonic acid sodium salt	10.00% w/w
Mixture of isomers of dibutylnaphathalene sulfonic acid sodium salt	05.00 % w/w
Polydimethy siloxane (Antifoaming agent)	00.20 % w/w
Sodium Sulphate (Carrier)	05.00 % w/w
Urea, polymer with formaldehyde	10.00 % w/w
Silicum oxide	Q.S. %
Total	100.000% w/w

Warnings: 1. Not to be used on crops and pests other than mentioned on label/leaflet. 2. Not to be used for post harvest application. 3. Destroy Container after use as directed on leaflet. **Dangerous to re-use empty containers.**

पाईमेट

पाईमेट्रोजिन ५०% डब्ल्यू.जी.

(कीटनाशक)

पाईमेट्रोजिन ५०% डब्ल्यू.जी. एक अंतरप्रवाही कीटनाशक है। पाईमेट्रोजिन ५०% डब्ल्यू.जी. की सिफारिश धान में आने वाले भूरा पत्ती टिंडा के नियंत्रण के लिए की जाती है। किट इस कीटनाशक के सीधे संपर्क मैं नहीं आते यह उन को भी रोकता है। कीट स्प्रे के संपर्क मैं आते ही खाना बंद कर देते है और कुछ दिन में मर जाते है।

सावधान: पाईमेट्रोजिन ५०% डब्ल्यू.जी. का इस्तेमाल इस लीफलेट (पर्चा) में दर्शायी गई फसलों के अलावा किन्ही और फसलों में नही करना चाहिये।

उपयोग:

फसल	कीट के नाम	प्रति हैक्टेयर मात्रा		पानी की मात्रा (लीटर)	अन्तिम छिडकाव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल (दिन)
		स.तत्व (ग्राम)	संरचना (मि.ली.)		
धान	भूरा पत्ती टिंडा	१५०	३००	५००	१९

पुन: प्रवेश अवधि: २४ घंटे।

उपयोग के लिए निर्देश: कीटनाशक की निर्यादित मात्रा को थोडे पानी में घोल लें अच्छी से घुलने पर बाकी पानी मिला लिजीये। कीटनाशक का इस्तेमाल किट के दिखाई देने के तुरंत बाद और उसके बाद यदि आवश्यकता हो दोबारा स्प्रे करके मौजूदगी के आधार पर नेपसेक स्प्रेयर से करें। अधिकतम दो स्प्रे का छिडकाव करें। प्रथम छिडकाव कीट का प्रकोप शुरू होने पर एवं अधिक हानि के स्तर हैं (ई.टी.एल.) की आवस्था पहुचने पर करें।

मौसम की स्थिति (सामान्य रूप से): प्रतिकूल परिस्थितियों में इसका उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

मिट्टी और पानी(जहां भी लागू हो): हल्की से भारी मिट्टी, छिडकाव के लिये साफ पानी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

आवेदन तकनीक: पत्तियों पर छिडकाव।

आवृत्ति: संक्रमण के आधार पर।

आवेदन के लिये फसल अवस्था: वनस्पतिक से प्रजनन अवस्था।

प्रयोग का समय: निचे दिये गये सिफारिशों के अनुशार पाईमेट्रोजिन ५०% डब्ल्यू.जी. का इस्तेमाल करने में धान मैं आने वाले भूरा टिंडा का नियंत्रण किया जा सकता है।

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां: स्प्रे तैयार करने के लिए खाना बनाने वाले वर्तनों का इस्तेमाल न करें। स्प्रे के घोल को हिलाने के लिए लकडी का प्रयोग करें। त्वचा, आंख और मुंह में कीटनाशक के संपर्क से बचायें तथा साँस द्वारा अंदर जाने से रोकें। सुरक्षात्मक कपडे जैसे की एप्रन, दस्ताने, नकाब और बूट आदि पहन कर ही इसका इस्तेमाल करें। कीटनाशक का प्रयोग करते समय खाना, पीना व धुम्रपान नहीं करना चाहिये। प्रतिदिन प्रयोग के बाद कीटनाशक से प्रभावित हिस्सों को अच्छी तरह धो लें और कपडे बदल लें दूषित कपडों को अच्छी तरह धो लें।

शहद की मक्खियों और कीटों के प्राकृतिक शत्रुओं जैसे लाभकारी कीडों से नुकसान से बचाने के लिए बरती जाने वाली सावधानियां:

विष के लक्षण: जब तक ज्यादा मात्रा में शरीर के अंदर न जाये तब तक तीक्ष्ण सर्वागी विषाक्तता असंभव है विषाक्तता के निम्न लक्षण हो सकते हैं आंखों, त्वचा या साँस के नली में जलन, क्रियाशीलता कम होना, कमजोरी, आंसू आना, साँस लेने में कठिनाई, ढीला मल आना, लाल मूत्र होना, कंपकपी आना,छूने पर ठंडा लगना, त्वचा पर लाल दाने होना इत्यादि।

प्रथमिक चिकित्सा: प्रभावित व्यक्ति को प्रदूषित जगह से दूर हवादार कमरे या खुली हवा में ले जायें और तापमान से बचायें। १. त्वचा में लगने पर: प्रदूषित कपडों को उतार दें तथा शरीर के प्रभावित हिस्सों को साबून और पानी से अच्छी तरह धोएं। २. आँखों में चले जाने पर: आँखों को कुछ देर तक साफ पानी से अच्छी तरह छपछपाईए। ३. निगल जाने पर तुरन्त डॉक्टर को बुलाईये।

सूचना: यदि मरीज बेहोश हो तो, मुँह से कुछ न दें। उल्टी कराने की कोशिश न करें। मुंह को पानी से छपछपायें और अक्सर सतर्कव होश में हो तो एक या दो ग्लास पानी पीने को दें।

पौधविशाक्तता: सिफारिश की गई मात्रा को प्रयोग में लाने से कोई पौधविशाक्त नहीं होती है।

विष नाशक: कोई विशेष उपचार नहीं है। लक्षणानुसार ईलाज करें।

खाली डिब्बों का निपटारा: १. खाली डिब्बों को जानवरों तथा इन्सानों के रहने वाली जगह से दुर नष्ट करें तथा जमीन में गाढ दें। २. खाली, डिब्बों को बाहर न रखें ताकि दोबारा इस्तेमाल न हो सके। ३. डिब्बें, बचा हुआ कीटनाशक, तथा सफाईवाले अन्य पदार्थो को सावधानी से एक तरफ फेंके ताकि वातावरण या पानी दूषित न हो।

संग्रहण की शर्तें: १. कीटनाशक के डिब्बों को अलग कमरों में रखिये तथा अन्य पदार्थ की रखने वाली जगह से दूर रखिये। २.किटनाशक रखने वाला कमरा या जगह सुखी रोशनदान तथा बडे आकार वाली होनी चाहिए ताकि वाष्प से दूषित न रहे।

रासायनिक संरचना:

पाईमेट्रोजिन स.त.	५०.००% भा/भा
लिग्नोसल्फोनिक एसिड सोडियम साल्ट	१०.००% भा/भा
डाईब्युटाइलनेपथलीन सल्फोनिक एसिड सोडियम लवण के आयसोमर का मिश्रण	०५.००% भा/भा
पालीडाईमिथाईलसाईलोगजोन (एंटीफोमिंग एजेंट)	००.२०% भा/भा
सोडियम सलफेट (सहायक)	०५.००% भा/भा
यूरिया, फोरमेलडीहाईड का पोलीमर	१०.००% भा/भा
सिलिसीयम ऑकसाईड	पर्याप्त मात्रा%
योग	१००.०००% भार/भार

चेतावनी : १. लिफलेट और लेबल मे सिफारिश किये हुवे फसलों और किट के सिवा अन्य पर इस्तेमाल न करें। २. फसल कटाई के बाद किये जाने वाले अन्य उपचार मे शामील न करें। ३. इस्तेमाल के बाद डब्बों को लिफलेट मे दिये हुवे तरीके से नष्ट करें। **खाली डिब्बों को दुबारा उपयोग करना खतरनाक है।**

पेईमेट

पायमेट्रोझिन ५०% डब्ल्यूजी

(कीटकनाशक)

या पत्रकात पमूद केलेल्या पिकांव्यतिरिक्त इतर पिकांवर पायमेट्रोझिन ५०% डब्ल्यूजी वापरू नये. पायमेट्रोझिन ५०% डब्ल्यूजी हे एक पध्दतशीर कीटकनाशक आहे. आणि भात पिकातील तपकिरी रोपांच्या तुडतुडयाच्या नियांत्रणासाठी शिफारस केलेले आहे. फवारणीचा थेट परिणाम न होणारे पानांवरील कीटक देखील पायमेट्रोझिन ५०% डब्ल्यूजी द्वारे नियंत्रित केले जातात जे कीटक फवारणीच्या संपर्कात आल्यानंतर खाणे थांबवतात आणि हळूहळू मरतात.

खबरदारी: या पत्रकात नमूद केलेल्या व्यतिरिक्त इतर पिकांवर पायमेट्रोझिन ५०% डब्ल्यूजी वापरू नये.

शिफारस:

पीक	किडीचे सामान्य नाम	प्रति हेक्टर डोस		पाण्यात विरघळवणे (लि.)	अंतिम फवारणी ते कापणीपर्यतचा प्रतिक्षा कालावधी (दिवसांमध्ये)
		ए.आय (ग्रॅम)	द्रवण (मिली)		
भात	ब्राऊन प्लान्ट हॉपर	१५०	३००	५००	१९

पुन: प्रवेश कालावधी: २४ तासांनंतर.

वापरण्यासाठी सूचना: किटकनाशकाचे आवश्यक तितके प्रमाण ध्या व थोडयाशा पाण्यात त्याचे मिश्रण तयार करा आणि फवारणीसाठी द्रावण तयार करण्याकरीता त्यामध्ये हळूहळू पाणी घाला. पिकावर किट पडल्याचे दिसताच पाठीवर बांधावयाच्या पंपाने फवारणी करा आणि आवश्यकतेनुसार पुन्हा फवारणी करा. किडीचा प्रदुर्भाव झाल्यानंतर पहिली फवारणी केल्यानंतर ईकॉनोमिक थ्रेशोल्ड लेबल (ईटीएल)गाठवल्यावर जास्तीत जास्त दोन वेळा फवारणी करा.

हवामान स्थिती (सर्वसाधारणपणे) : प्रतिकूल परिस्थितीत वापरू नये.

माती आणि पाणी (जेथे लागू असेल): हलकी ते जड माती, फवारणीसाठी स्वच्छ पाणी वापरावे.

वापरण्याचे तंत्र: पर्णिय फवारणी.

वारंवारता: प्रदुर्भावार आधारित.

वापरासाठी पीक अवस्था: वनस्पती ते पुनरूत्पादन अवस्था.

वापरण्याची वेळ: खाली दिलेल्या शिफारसींनुसर वापरल्यास पायमेट्रोझिन ५०% डब्ल्यूजी भात पिकात तपकिरी रोपांच्या तुडतुडयांचे नियंत्रण प्रदान करते.

खबरदारी: धाचे मिश्रण तयार करण्यासाठी स्वयंपाकघरातील भांडी वापरू नयेत. घोळ ढवळण्यासाठी काठी वापरावी. फवारणीसाठी तयार केलेल्या द्रावणाचा डोळे,तोंड व त्वचेशी संपर्क होऊ देऊ नका. औषध श्वासावाटे पोटात जाणार नाही ह्याची काळजी ध्या.त्वचेशी संपर्क होऊ नये म्हणून हातमोजे वापरावेत. औषध हाताळताना अंगभर संरक्षक कपडे,मास्क,गोगल्स व बूट घालावेत. फवारणी करत असताना धुम्रपान,पिणे-खाने आणि चघळण्याचे टाळा. साबण व पाण्याने हाथपाय धुवा व फवारल्यानंतर अंगावरील कपडे बदला. किटकनाशक हवा व पाण्याच्या संपर्कात येण्याचे टाळा. काढलेले पुन्हा वापरण्यापूर्वी चांगले धुवा.

फायदेशीर कीटक जसे की मधमाश्या आणि कीटकांचे नैसर्गिक शत्रू यांचे नुकसान टाळण्यासाठी ध्यावयाची खबरदारी.

विषबाधा झाल्याची लक्षणे: खूप प्रमाणात किटकनाशक पोटात गेल्याखेरीज गंभीर स्वरूपाची प्रणालीगत विषबाधा होण्याची शक्यता जवळपास नाहीच.बिषबाधा झाल्याच्या लक्षणामध्ये डोळे, त्वचा चुरचूरणे व श्वासनर्मात जळजळ होणे. शिथिलता येणे डोळ्यातून पाणी येणे, धाप लागणे,विष्ठा पातळ होणे, लघवीतून रक्त जाण्यासारखे वाटणे, थरथरणे,अंग खूब गार पडणे, त्वचा लालसर होणे असे होऊ शकते.

प्रथमोपचार: त्या व्यक्तिला हवेशीर ठिकाणी किंवा मोकळया हवेत न्या आणि आवश्यक तितकाच थंडवा त्याला मिळू धा,म्हणजे ती व्यक्ति गार पडणार नाही,त्वचेशी संपर्क आल्यास : औषध पडलेले अंगावरील कपडे काढा आणि भरपूर पाणी व साबणानेआंघोळ करा. औषध डोळ्यात गेल्यास भरपूर पाण्याने कित्येक मिनिटभर डोळे धुवा.औषध पोटात गेल्यास: ताबडतोब डॉक्टरांना बोलवा व वैधकिय उपचार ध्या.

टीप: बेशुध्द असलेल्या व्यक्तिला ओकारी काडण्यास प्रवृत करू नका किवा पिण्यासाठी काहीही देऊ नका.पाण्याने चूळ भरण्यास सांगा आणि तो व्यक्ति शुध्दीवर येऊन सावध असल्यास १ किंवा २ ग्लास पाणी प्यायला ध्या.

रोपविषकारकता:हे सांगितल्या शिफारशी प्रमाणानुसार वापरल्यास पीकास रोपविषकारक नाही.

विषनाशक: कोणताही विशिष्ट उपचार असा ठाऊक नही, लक्षणानुसार उपचार करा.

रिकामे डबे,खोके वगैरेची विल्हेवाट : १) रिकामी डबे किंवा खोके मोडून तोडून, वस्तीपासून दूर गाडून टाकले पाहिजेत.२) रिकामे झालेले डबे किंवा खोके पुन्हा वापरले जाऊ नयेत म्हणून बाहेर ठेवता कामा नयेत.३) रिकामे डबे किंवा खोके अथवा उरलेले द्रावण किंवा मशीनचे धुवण यांची सुरक्षितपणे, म्हणजे वातावरण वा पाणी प्रदूषित होणार नाही अशाप्रकारे विल्हेवाट लावली पाहिजे.

साठवणीची स्थिती : १. किटकनाशकांचे डब्बे वेगळ्या जागी किवा खोलीत आणि अन्न पदार्थापासून दूर तथा किटकनाशक ठेवण्याच्या वेगळ्या कपाटात कडीकुलपात ठेवा. २. किटकनाशक ठेवण्याची खोली सुकी, मजबूत, प्रकाशमय तथा पुरेश्या आकारमानाची पाहिजे सदर जागेतील हवा खेळती असली पाहिजे जेणेकरुन किटकनाशकाच्या वाफेने वातावरण दूषित होणार नाही.

रसायनिक रचना:

पायमेट्रोझिन ए. आय.	५०.००%व/व
लिग्नोसल्फोनिक ॲसिड सोडीयम सॉल्ट	१०.००%व/व
डायबुटीलनापथालीन सल्फोनिक ॲसिड सोडीयम सॉल्टच्या आयसोमर्सचे मिश्रण	५.००%व/व
पोलीडायमेथील सीलिकसन(ॲन्टिफोमिंग एजन्टस)	००.२०%व/व
सोडीयम सल्फेट (केरिअर)	०५.००%व/व
युरिया: फॉर्मलडिहाईडसह पॉलीमर	१०.००%व/व
सिलिकयम ऑक्साईड	क्यू.एस.%
एकूण	१००.०००%व/व

चेतावणी:१. लेबल और पत्रक पर जो वर्णित है, उससे भिन्न फसल और नाशकजीव पर उपयोग के लिए नहीं। २. कटाई के बाद के उपयोग के लिए उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। ३. पत्रक के निर्देशानुसार उपयोग के पश्चात आदयान को नष्ट करें। **रिकामी डबे पुन्हा वापरणे धोकादायक.**

પાયમેટ

પાયમેટ્રોઝાઈન ૫૦% ડબ્લ્યુજી

(જંતુનાશક)

પાયમેટ્રોઝાઈન ૫૦% ડબ્લ્યુજી અંતઃ પ્રવાહી જંતુનાશક છે અને ડાંગરના પાકમાં કથ્થઈ છોડ તડતડિયાને કાબૂમાં લેવા માટે ભલામણ કરવામાં આવે છે. પર્ણીય જંતુ જે છંટકાવથી પ્રત્યક્ષ અસરગ્રસ્ત નહીં થાય તે પણ પાયમેટ્રોઝાઈન ૫૦% ડબ્લ્યુજીથી કાબૂમાં આવે છે. જંતુ છંટકાવના સંપર્કમાં આવ્યા પછી ખાવાનું બંધ કરે છે અને ધીમે ધીમે મૃત પામે છે.

સાવચેતીઃ પાયમેટ્રોઝાઈન ૫૦% ડબ્લ્યુજી આ પત્રકમાં નિર્દિષ્ટ સિવાયના પાક પર ઉપયોગ નહીં કરવો જોઈએ.

ભલામણઃ

પાક	જીવાતનું સામાન્ય નામ	હૅક્ટર દીઠ માત્રા		પાણીમાં દ્રાવ્ય (લી.)	છેલ્લા છંટકાવથી લણણી વચ્ચેનો અંતરળ (દિવસોમાં)
		સ.ઘ. (ગ્રામ)	સંયોજન (મિલી.)		
ડાંગર	કથ્થઈ રંગના તડતડિયા	૧૫૦	૩૦૦	૫૦૦	૧૯

પુનઃપ્રવેશ સમયગાળોઃ ૨૪ કલાક પછી.

વપરાશ માટેના નિર્દેશો : જંતુનાશકની જોઈતી માત્રા માપી લો અને થોડાં પાણીમાં ભેળવી દો, ત્યારબાદ ધીમે ધીમે બાકી નું પાણી ઉમેરીને દ્રાવણ તૈયાર કરો. પાક પર જીવાતો દેખાય ત્યારે નેપસેક સ્પ્રેયરની મદદથી છંટકાવ કરો અને જીવાતના ઉપદ્રવ અનુસાર આવશ્યક જણાય તો ફરી વાર કરો. શરૂઆતમાં જીવાતના ઉપદ્રવ સમયે પહેલો છંટકાવ શરૂ કરીને ઈકોનોમિક થ્રેસોલ્ડ લેવલ (ઈટીએલ) સુધી પહોંચતામાં વધુમાં વધુ બે છંટકાવ કરી શકાય છે.

હવામાનની સ્થિતિ (સામાન્ય પણે): બિનતરફેણકારી સ્થિતિઓ દરમિયાન ઉપયોગ નહીં કરવો જોઈએ.

માટી અને પાણી (જ્યાં પણ લાગુ હોય): હલકીથી ભારે માટી, સ્વચ્છ પાણીનો છંટકાવ માટે ઉપયોગ કરવો જોઈએ.

છંટકાવની ટેક્નિકઃ પર્ણીય છંટકાવ.

સાતત્યતાઃ ચેપને આધારે.

છંટકાવ માટે પાકના તબક્કાઃ વનસ્પતિથી પુનરુત્પાદક તબક્કા સુધી.

છંટકાવનો સમયઃ નીચે આપેલી ભલામણો અનુસાર ઉપયોગ કરવામાં આવે તો પાયમેટ્રોઝાઈન ૫૦% ડબ્લ્યુજી ડાંગરના પાકમાં કથ્થઈ છોડ તડતડિયાનેકાબૂમાં લઈ શકે છે.

સાવચેતીઓ : છંટકાવ માટેનું દ્રાવણ તૈયાર કરવા રસોઈના વાસણોનો ઉપયોગ ન કરો. છંટકાવનું દ્રાવણ હલાવવા લાકડીનો ઉપયોગ કરો. ત્વચા, આંખો અને કપડાં સાથે સંપર્ક થતા ટાળો. બાષ્પ અને છાંટને શ્વાસમાં ન આવવા દો. ત્વચા સાથે સંપર્ક થતો ટાળવા હાથમોઝા પહેરો. ઉત્પાદન વાપરતી વખતે સંરક્ષાત્મક કપડાં, મુખવટો, ગોગલ્સ અને બૂટ પહેરો. ઉત્પાદન વાપરતી વખતે ખાશો, પીશો અથવા ધૂમ્રપાન કરશો નહીં. કાર્ય પૂરું થયા પછી હાથને સાબુ અને પાણીથી બરાબર ધોઈ નાખો અને કપડાં બદલી લો. જંતુનાશક દ્વારા હવા અને જળસ્રોતોને પ્રદૂષિત થતા ટાળો, દૂષિત કપડાં પણ ધોઈ નાખો.

મધમાખીઓ અને જંતુના નૈસર્ગિક શત્રુઓ જેવા લાભદાયી જંતુઓને હાનિ ટાળવા માટે લેવાની સાવચેતીઓઃ

ઝેર ચઢ્યાંના લક્ષણો : વધુ માત્રામાં ગળી જવાય એ સિવાય તીવ્ર આંતરપ્રવાહી વિષકારકતાની સંભાવના નથી જણાતી. ઝેર ચઢ્યાના લક્ષણોમાં આંખ,ત્વચા અને શ્વસનમાર્ગમાં બળતરા થવી, હાઈપોએક્ટિવિટી, આંખ માંથી પાણી ઝરવું, શ્વાસ લેવામાં તકલીફ થવી, લાલ ઝાડો થવો, લાલ રંગનો પેશાબ થવો, ધ્રૂજારી થવી, શરીરનું તાપમાન ઘટવું, ચામડી લાલ થઈ જવી ઈત્યાદિ સામેલ હોઈ શકે છે.

પ્રાથમિક સારવાર : અસરગ્રસ્ત વ્યક્તિને પૂરતી હવાઉજાસ વાળી જગ્યામાં લઈ જાઓ અને તેના શરીરને ઠંડું પડવા રોકો. ત્વચા સાથે સંપર્ક થવા પરઃ દૂષિત કપડાં કાઢી નાખો અને શરીરના અસરગ્રસ્ત ભાગોને સાબુ અને પાણીથી બરાબર ધોઈ નાખો. આંખોના સંપર્કમાં આવે તોઃ સ્વચ્છ પાણીની છાલકો અનેક મિનિટો સુધી મારીને આંખોને સાફ કરો. ગળી જવાય તો : તરત જ તબીબી ડૉક્ટરનું ધ્યાન દોરો.

નોંધ : મૂર્છિત વ્યક્તિને ક્યારેય મોં વાટે કાંઈ આપશો નહીં અથવા ઊલટી કરાવવા પ્રયત્ન કરશો નહીં. જો વ્યક્તિ સભાન અને સચેત હોય તો પાણી દ્વારા મોંમાં કોગળા કરાવો અને એક કે બે ગ્લાસ પાણી પીવા આપો.

વનસ્પતિ માટે વિષાકતતાઃ ભલામણ કરેલી માત્રાએ પાક માટે વિષાકત નથી.

વિષનાશકઃ કોઈ વિશિષ્ટ વિષનાશક ધ્યાનમાં નથી. લક્ષણો અનુસાર સારવાર કરો.

વપરાયેલા પાત્રોનો નિકાલઃ ૧. વપરાયેલાં પડીકાં બહાર રાખવાં નહીં જેથી તેમનો ફરીથી ઉપયોગ થતો અટકે. ૩. પડીકાં ભાંગી નાંખવાં અને વસતીથી દૂર દાટી દેવાં. ૩. પૅકનાં અથવા વધારાની સામગ્રી અને મશીનોમાંથી ધોવાણો તથા વપરાયેલા પાત્રોનો એવી સલામત રીતમાં નિકાલ કરવો જેથી પર્યાવરણનું અથવા જળપ્રદુષણ થતું અટકાવી શકાય.

સંગ્રહ કરવાની સ્થિતિ : ૧. જંતુનાશકના ડબ્બાને અલગ ઓરડામાં અથવા જગ્યાએ રાખો અને અન્ય ખાદ્ય પદાર્થો રાખવાની જગ્યાઓ અને ઓરડાથી દૂર રાખો તેમજ જંતુનાશકોના પ્રકારને આધારે એના જગ્યા અનુસાર અલગ કબાટમાં તાળા ચાવીથી બંધ કરીને રાખવા જરૂરી છે. ૨. જંતુનાશકો રાખવાના ઓરડા અને જગ્યા મોકળાયભરી, મજબૂત બાંધકામની સાથી હવાદાર, ઉજાળ વરળી અને પૂરતી વિશાળ હોવી જોયશે. જેથી દવાની વટાત થતા પ્રદૂષણને ટાળી શકાય.

રાસાયનિક સંયોજનઃ

પાયમેટ્રાજિન સ.ઘ.	૫૦.૦૦%વ/વ
લિગ્નોસલ્ફોનિક એસિડ સોડિયમ સોલ્ટ	૧૦.૦૦% વ/વ
ડાયબ્યુટાઈલ નેપ્થાલેન્સના આઈસોમર્સનું મિશ્રણ સલ્ફોનિક એસિડ સોડિયમ સોલ્ટ	૫.૦૦ % વ/વ
એન્ટિફોમિંગ ઘટકો પૉલિડાયમીથાઈલસિલોક્ઝેન	૦.૨૦% વ/વ
સોડિયમ સલ્ફેટ (વાહકો) ૫.૦૦%વ/વ	
યુરિયા, પૉલિમર ફોર્મલડીહાઈડ સહિત	૧૦.૦૦ %વ/વ
સિલિસિયમ ઑક્સાઈડ	ક્યૂ.એસ.
કુલ	૧૦૦.૦૦% વ/વ

ચેતવણી : ૧. આ પત્રક અને લીફલેટ પર ઉલ્લેખ સિવાયના પાક અને જંતુઓ પર ઉપયોગ નહીં કરવું જોઈએ, ૨. લણણી પશ્ચાત છંટકાવ માટે ઉપયોગ નહીં કરવો જોઈએ. ૩. પત્રક પર નિર્દેશ અનુસાર ઉપયોગ પછી કન્ટેઈનરનો નાશ કરો. **ખાલી કન્ટેઈનર ઉપયોગ કરવાનું ખતરનાક છે.**

ਪਾਈਮੇਟ

ਪਾਈਮੇਟ੍ਰੋਜ਼ੋਨ ੫੦% ਡਬਲਯੂਜੀ

(ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ)

ਪਾਈਮੇਟ੍ਰੋਜ਼ੋਨ ੫੦% ਡਬਲਯੂਜੀ ਇਕ ਅੰਤਰਪ੍ਰਵਾਹੀ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਹੈ ਅਤੇ ਝੋਨੇ ਦੀ ਫ਼ਸਲ ਵਿਚ ਭੂਰੇ ਪੌਦਾ ਟਿੱਡੇ ਕਾਬੂ ਪਾਉਣ ਲਈ ਵਰਤਣ ਦਾ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਪੱਤੀਆਂ ਵਿਚ ਲੁਕ ਬੈਠੇ ਕੀਟ ਵੀ ਪਾਈਮੇਟ੍ਰੋਜ਼ੋਨ ੫੦% ਡਬਲਯੂਜੀ ਨਾਲ ਕਾਬੂ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ 'ਤੇ ਸਪ੍ਰੇ ਸਿੱਧੇ ਤੌਰ 'ਤੇ ਨਹੀਂ ਪੈਂਦਾ। ਕੀਟ ਜਦ ਸਪ੍ਰੇ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਵਿਚ ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਖਾਣਾ ਬੰਦ ਕਰ ਦੇਂਦੇਂ ਹਨ ਅਤੇ ਅੰਤ ਵਿਚ ਦਮ ਤੋੜ ਦੇਂਦੇ ਹਨ।

ਸਾਵਧਾਨੀ: ਪਾਈਮੇਟ੍ਰੋਜ਼ੋਨ ੫੦% ਡਬਲਯੂਜੀ ਨੂੰ ਇਸ ਦੇ ਲੇਬਲ ਵਿਚ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਫ਼ਸਲਾਂ ਅਲਾਵਾ ਕਿਸੇ ਵੀ ਹੋਰ ਫ਼ਸਲ ਵਿਚ ਨਾ ਵਰਤੋ।

ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ:

ਫ਼ਸਲ	ਕੀਟ ਦਾ ਆਮ ਨਾਂ	ਖੁਰਾਕ ਪ੍ਰਤਿ ਹੇਕਟੇਅਰ		ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਪਤਲਾਪਣ (ਲੀਟਰ)	ਪਿਛਲੇ ਇਸਤੇਮਾਲ ਤੋ ਲੇ ਕੇ ਵਾਢੀ ਤਕ ਦਾ ਉਡੀਕ ਸਮਾਂ (ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ)
		ਏ.ਆਈ. (ਗ੍ਰਾ.)	ਸੂਤਰੀਕਰਨ (ਮਿਲੀ)		
ਝੋਨੇ	ਬ੍ਰਾਉਨ ਪਲਾਂਟ ਹੋਪਰ	੧੫੦	੩੦੦	੫੦੦	੧੯

ਆਪਸੀ ਪ੍ਰਵੇਸ਼ ਦੀ ਮਿਆਦ: ੨੪ ਘੰਟਿਆਂ ਬਾਅਦ।

ਇਸਤੇਮਾਲ ਲਈ ਹਿਦਾਇਤਾਂ: ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਮਾਤਰਾ ਨੂੰ ਮਾਪੇ ਅਤੇ ਇਸਨੂੰ ਥੋੜੇ ਜਿਹੇ ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਮਿਲਾਉ ਅਤੇ ਹੋਲੀ-ਹੋਲੀ ਘੋਲ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਬਾਕੀ ਪਾਣੀ ਵੀ ਇਸ ਵਿੱਚ ਮਿਲਾ ਦਿਉ। ਜਦੋਂ ਫ਼ਸਲ ਉੱਤੇ ਕੀਟ ਦਿਖਾਈ ਦੇਣ ਤਾਂ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਦੇ ਨਾਲ ਲਗਾਉ ਅਤੇ ਕੀੜਿਆਂ ਦੀ ਹੇਦ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਜੇ ਲੋੜ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਦੁਬਾਰਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰੋ। ਆਰਥਿਕ ਸੀਮਾ ਮੱਧਰ (ਈ ਟੀ ਐਲ) ਤਕ ਪਹੁੰਚਦੇ ਹੋਏ ਕੀੜਿਆਂ ਦੇ ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਹਮਲੇ ਤੇ ਮਹਿਲਾ ਛਿੜਕਾਵ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਦੋ ਛਿੜਕਾਵ ਕਰੋ

ਮੋਸਮੀ ਹਾਲਾਤ (ਆਮ ਤੌਰ 'ਤੇ): ਗੈਰਮੁਨਾਸਿਬ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।

ਮਿੱਟੀ ਅਤੇ ਪਾਣੀ (ਜਿੱਥੇ ਵੀ ਲਾਗੂ ਹੋਵੇ): ਹਲਕੀ ਤੋਂ ਭਾਰੀ ਮਿੱਟੀ। ਸਪ੍ਰੇ ਘੋਲ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਵਰਤੋ।

ਵਰਤਣ ਦੀ ਤਕਨੀਕ: ਪੱਤੀ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰ ਕੇ।

ਬਾਰੰਬਾਤਾ: ਕੀਟਾਂ ਦੀ ਤੀਬਰਤਾ ਅਨੁਸਾਰ।

ਵਰਤਣ ਲਈ ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਅਵਸਥਾ: ਵਨਸਪਤਿਕ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਪ੍ਰਜਨਨਕ ਅਵਸਥਾ ਤਕ।

ਵਰਤਣ ਦਾ ਸਮਾਂ: ਹੇਠਾਂ ਦਿੱਤੇ ਸੁਝਾਵਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਵਰਤਦਿਆਂ ਪਾਈਮੇਟ੍ਰੋਜ਼ੋਨ ੫੦% ਡਬਲਯੂਜੀ ਝੋਨੇ ਵਿਚ ਭੂਰੇ ਪੌਦਾ ਟਿੱਡੇ 'ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾਉਂਦਾ ਹੈ।

ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ: ਸਪ੍ਰੇ ਘੋਲ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਭੋਜਨ ਬਣਾਉਣ ਵਾਲੇ ਭਾਂਡੇ ਨਾ ਵਰਤੋ। ਸਪ੍ਰੇ ਘੋਲ ਨੂੰ ਹਿਲਾਉਣ ਲਈ ਸੋਟੀ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰੋ। ਤਵਚਾ, ਅੱਖਾਂ ਅਤੇ ਕੱਪੜਿਆਂ ਦੇ ਸੰਪਰਕ ਵਿੱਚ ਆਉਣ ਤੋ ਰੋਕੋ। ਧੂਏ ਅਤੇ ਭਾਫ ਨੂੰ ਸਾਹ ਦੇ ਰਸਤੇ ਅੰਦਰ ਨਾ ਜਾਣ ਦਿਉ। ਤਵਚਾ ਦੇ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਈ ਰਖਾਂ ਤੇ ਦਸਤਾਨੇ ਪਾਉ। ਇਸ ਉਤਪਾਦ ਨੂੰ ਵਰਤਦੇ ਸਮੇ ਸੁਰਖਿਆਤਮਕ ਕੱਪੜੇ, ਨਕਾਬ,ਚਸਮਾ,ਅਤੇ ਜੁਤੇ ਪਹਿਣੇ। ਉਤਪਾਦ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਦੇ ਸਮੇ ਨਾ ਖਾਉ, ਪਿਉ ਜਾਂ ਸਿਗਰਟ ਪਿਉ। ਕੰਮ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਣ ਤੇ ਬਾਅਦ ਹੱਥਾਂ ਨੂੰ ਸਾਬਣ ਅਤੇ ਢੇਰ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋਵੋ ਅਤੇ ਕਪੜੇ ਬਦਲ ਲਉ। ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਨੂੰ ਹਵਾ ਜਾਂ ਪਾਣੀ ਦੇ ਨਾਲ ਦੂਸ਼ਿਤ ਨਾ ਹੋਣ ਦਿਉ। ਦੂਸ਼ਿਤ ਕੱਪੜਿਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਧੋਵੋ।

ਸ਼ਹਿਦ ਦੀਆਂ ਮੱਖੀਆਂ ਵਰਗੇ ਲਾਭਕਾਰੀ ਕੀਟਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਾਂ ਦੇ ਕੁਦਰਤੀ ਵੈਰੀਆਂ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਨਾ ਪਹੁੰਚੇ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ:

ਜਹਿਰ ਫੈਲਣ ਦੇ ਲੱਛਣ: ਗੰਭੀਰ ਅੰਤਰਪ੍ਰਵਾਹੀ ਵਿਸ਼ਾਕਤਾ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਜਦੋਂ ਤਕ ਵੱਡੀ ਮਾਤਰਾ ਵਿੱਚ ਅੰਦਰ ਨਹੀਂ ਚਲਾ ਜਾਂਦਾ। ਜਹਿਰੀਲੇਪਣ ਦੇ ਲੱਛਣ ਇਹ ਹੈ ਸਕਦੇ ਹਨ ਅੱਖਾਂ, ਤਵਚਾ ਅਤੇ ਸੁਆਸ ਪੱਥ ਦੀ ਜਲਨ, ਹਾਈਪੋਐਕਟਿਵਿਟੀ, ਲੈਕਰਿਮੇਸ਼ਨ, ਪੇਟ ਵਿੱਚ ਜਲਨ, ਨਰਮ ਮਲ, ਲਾਲ ਰੰਗਾ ਪਿਸ਼ਾਬ, ਸਰੀਰ ਦਾ ਠੰਡਾ ਹੋਣਾ, ਚਮੜੀ ਦਾ ਲਾਲ ਹੋਣਾ ਆਦਿ।

ਪ੍ਰਾਥਮਿਕ ਸਹਾਇਤਾ: ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਵਾਦਾਰ ਥਾਂ ਜਾਂ ਤਾਜੀ ਹਵਾ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਨਿਕਾਲੋ ਅਤੇ ਉਸਨੂੰ ਅੰਡਰਕੂਲਿੰਗ ਤੇ ਬਚਾਉ। ਤਵਚਾ ਦੇ ਸੰਪਰਕ ਵਿੱਚ ਆਉਣ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ,ਦੂਸ਼ਿਤ ਕੱਪੜਿਆਂ ਨੂੰ ਉਤਾਰੋ ਅਤੇ ਸਰੀਰ ਦੇ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹਿੱਸਿਆਂ ਨੂੰ ਸਾਬਣ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋਵ। ਅੱਖਾਂ ਦੇ ਸੰਪਰਕ ਵਿੱਚ ਆਉਣ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ, ਅੱਖਾਂ ਨੂੰ ਸਾਫ ਪਾਣੀ ਦੇ ਨਾਲ ਕਈ ਮਿੰਟਾਂ ਲਈ ਧੋਵੋ। ਅੰਦਰ ਚਲੇ ਜਾਣ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ, ਤੁਰੰਤ ਮੇਡੀਕਲ ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਨਿਗਰਾਨੀ ਹੇਠ ਜਾਉ।

ਨੋਟ : ਉਲਟੀ ਨਾ ਲਿਆਉ ਜਾਂ ਬੇਹੋਸ਼ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਕਦੇ ਵੀ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀ ਕੁਝ ਨਾ ਦਿਉ। ਮੂੰਹ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋਵੋ ਅਤੇ ਜੇ ਸਚੇਤ ਅਤੇ ਹੋਸ਼ ਵਿੱਚ ਹੋਵੋ ਤਾਂ ਇਕ ਜਾਂ ਦੋ ਗਲਾਸ ਪਾਣੀ ਦੇ ਦਿਉ।

ਵਨਸਪਤਿਕ ਵਿਸ਼ੈਲਾਪਣ: ਸਿਫ਼ਾਰਸ ਕੀਤੀ ਮਾਤਰਾ ਵਿੱਚ ਵਰਤਿਆ ਜਾਏ ਤਾਂ ਵਨਸਪਤੀ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਵਿਸ਼ੈਲਾ ਅਸਰ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ।

ਐਂਟੀਡੋਟ: ਕੋਈ ਖਾਸ ਐਂਟੀਡੋਟ ਗਿਆਤ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਲੱਛਣਾਤਮਕ ਥਰੇਪੀ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰੋ।

ਖਾਲੀ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ: ੧) ਇਹਨਾਂ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਨੂੰ ਤੋੜ ਭੰਨ ਕੇ ਆਬਾਦੀ ਤੋਂ ਦੂਰ ਦਬਾ ਕੇ ਨਸ਼ਟ ਕਰ ਦਿਓ। ੨) ਖਾਲੀ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਨਾ ਪਏ ਰਹਿਣ ਦਿਓ ਤਾਂਕਿ ਦੁਬਾਰਾ ਨਾ ਵਰਤੇ ਜਾਣ। ੩) ਪੈਕੇਜਾਂ ਜਾਂ ਵਾਧੂ ਬਚੀ ਦਵਾਈ ਅਤੇ ਮਸ਼ੀਨਾਂ/ਬਰਤਨਾਂ ਦੇ ਧੋਣ ਵਾਲੇ ਪਾਣੀ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ਏਦਾਂ ਸੁਰੱਖਿਆ ਨਾਲ ਕਰੋ ਕਿ ਵਾਤਾਵਰਨ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਪਲੀਤ ਨਾ ਹੋਣ।

ਸਟੋਰੇਜ ਦੀਆਂ ਹਾਲਤਾਂ : ੧) ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੇ ਪੈਕੇਜਾ ਨੂੰ ਦੂਜੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਤੋਂ ਦੂਰ ਵੱਖਰੇ ਕਮਰੇ ਵਿਚ ਜਾਂ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦੀ ਕਿਸਮ ਅਤੇ ਮਾਤਰਾ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਅਲੱਗ ਅਲਮਾਰੀ ਵਿਚ ਤਾਲਾ ਮਾਰ ਕੇ ਰੱਖੋ। ੨) ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਣੇ ਹੋਏ, ਖ਼ੁਸ਼ਕ, ਚੰਗੇ ਹਵਾਦਾਰ ਅਤੇ ਖੁਲ੍ਹੇ ਡੁਲ੍ਹੇ ਹੋਣ ਤਾਂਕਿ ਹਵਾੜ ਨਾਲ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਨ ਨਾ ਫੈਲ ਸਕੇ।

ਰਸਾਇਣਕ ਮਿਸ਼ਰਨ:

ਪਾਈਮੇਟ੍ਰੋਜ਼ੋਨ ਏ.ਆਈ.	੫੦.੦੦%ਡਬਲਯੂ/ਡਬਲਯੂ
ਲਿਗਨੋਸਫੋਨਿਕ ਏਸਿਡ ਸੋਡੀਅਮ ਲੂਣ	੧੦.੦੦%ਡਬਲਯੂ/ਡਬਲਯੂ
ਡਿਬੁਟਾਈਲ ਨਾਫਥਾਲੇਂਸ ਦੇ ਆਇਸੋਮਰਸ ਦਾ ਮਿਸ਼ਰਨ ਸਲਫੋਨਿਕ ਏਸਿਡ ਸੋਡੀਅਮ ਲਵਣ	੫.੦੦%ਡਬਲਯੂ/ਡਬਲਯੂ
ਐਂਟਫੋਮਿੰਗ ਏਜੰਟ: ਪੋਲੀਡਿਮੇਥਾਈਲਸਿਲੋਕਸੇਨ	੦.੨੦%ਡਬਲਯੂ/ਡਬਲਯੂ
ਸੋਡੀਅਮ ਸਲਫੇਟ (ਵਾਹਕ)	੫.੦੦%ਡਬਲਯੂ/ਡਬਲਯੂ
ਯੂਰੀਆ,ਫੋਰਮਾਲਡੇਹਾਈਡ ਦੇ ਨਾਲ ਪੋਲੀਮਰ	੧੦.੦੦% ਡਬਲਯੂ/ਡਬਲਯੂ
ਸਿਲਿਸ਼ਿਅਮ ਓਕਸਾਈਡ	ਕਯਾਊ.ਐਸ.
ਕੁੱਲ	੧੦੦.੦੦%ਡਬਲਯੂ/ਡਬਲਯੂ।

ਚੇਤਾਵਨੀ:੧. ਲੇਬਲ ਅਤੇ ਪਰਚੇ ਵਿਚ ਦੱਸੇ ਕੀਟਾਂ ਅਤੇ ਫ਼ਸਲਾਂ ਤੋਂ ਬਿਨਾ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਲਈ ਨਹੀਂ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ੨. ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਕਟਾਈ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕਿਸੇ ਮਤਲਬ ਲਈ ਨਾ ਵਰਤੋ। ੩. ਪਰਚੇ ਵਿਚ ਦੱਸੇ ਮੁਤਾਬਿਕ, ਖਾਲੀ ਹੋਏ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਨੂੰ ਨਸ਼ਟ ਕਰ ਦਿਓ। **ਖਾਲੀ ਹੋਏ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ ਵਰਤਣਾ ਖ਼ਤਰਨਾਕ ਹੈ।**

పైమేట్

పైమెట్రోజైన్ 50% డబ్ల్యుజి

(కీటకనాశని)

పైమెట్రోజైన్ 50% డబ్ల్యుజి అనేది ఒక అంతర్వాహిక కీటకనాశనై, ఇది వరిపంటలను సర్వనాశనం చేసే దోమపోటు తెగులును ప్రభావవంతంగా అరికడుతుంది. కీటకనాశనులు పిచికారీల ద్వారా ప్రత్యక్షంగా సంపర్గంలోనికి రాని ఆకులపైవుండే అనేక కీటకాలను కూడా పైమెట్రోజైన్ 50% డబ్ల్యుజి అరికడుతుంది. దీని స్ప్రే ద్వారా సంపర్గంలోనికి వచ్చిన వెంటనే కీటకాలు ఆకులను తినడం మానేస్తాయి గనుక, అవి క్రమేణా బలహీనపడి చచ్చిపోతాయి.

హెచ్చరిక : పైమెట్రోజైన్ 50% డబ్ల్యుజిని ఈ కరపత్రంలోఇవ్వబడిన పంటలకు తప్ప వేరే ఇతర పంటలకు వాడరాదని గుర్తుంచుకోండి.

సిఫారసులు:

పంట	కీటకం మామూలు పేరు	ఒక్కో హెక్టారుకు		కలవవలసిన నీళ్ళు (లీ.)	ఆఖిరి పిచికారి నుంచి పంట కోతకు మధ్య వేచివుండవలసిన సమయం (రోజుల్లో)
		ఎ.ఐ. (గ్రా.)	సూత్రీకరణ (మి.లీ.)		
వరి	దోమ పోటు	150	300	500	19

తిరిగి ప్రవేశపు వ్యవధి: 24 గంటల తర్వాత.

వాడేందుకు నిర్దేశనలు: అనుసరమైన పరిమాణంలో కీటకనాశనిని కొలిచి కొద్ది పరిమాణం నీటిలో కలిపి, ద్రావకాన్ని తయారుచేసేందుకు మిగతా నీటిని క్రమేపీ కలపండి. పంటపై కీటకం కనిపించినప్పుడు న్యాప్‌సాక్ స్ప్రేయర్‌తో వినియోగించండి మరియు చీడపీడల బెడదను బట్టి అవసరమైతే తిరిగి చేయండి. మొదటి చీడపీడల ఇన్ఫెస్టేషన్ కనుక ఎకనామిక్ థ్రెషోల్డ్ లెవెల్‌ని (ఇటిఎల్) చేరుకున్న మీదట ప్రారంభించి గరిష్ఠంగా రెండు పిచికారిలు చేయాలి.

వాతాప రణ పరిస్థితులు (సాధారణంగా) : వాతావరణ పరిస్థితులు అనుకూలంగాలేనప్పుడు దీన్ని వాడరాదు. .

నేల - నీరు (ఎక్కడెక్కడ అస సరసుస్తుందో): చౌడు భూముల నుండి నల్లరేగడి భూములలోజల్లుకోడానికి వాడవచ్చు.

వాడుకలోమెతుకుసలు :ఆకులపై పిచికారీకి వాడబడుతుంది.

తరచుగా ఎన్నిసార్లు వాడాలి : తెగులు యొక్క తీవ్రతనుబట్టి.

పంట ఏ ద శ లో సుస్నప్పుడు దీన్ని వాడాలి : ఆకులు వేసే దశనుండి పంట పరవక్వదశ వరకు.

వాడాల్సిస ససుయం: ఈ క్రిందనివ్వబడిన సిఫారసులనుబట్టి వాడినట్లయితే వరిపంటనాశించే దోమపోటు తెగులును పైమెట్రోజైన్ 50% డబ్ల్యుజి ప్రభావవంతంగా అరికడుతుంది.

ముందుజాగ్రత్తలు : పిచికారి ద్రావకాన్ని తయారుచేసేందుకు పంట పాత్రలు ఉపయోగించవద్దు. పిచికారి ద్రావకాన్ని కలియబెట్టేందుకు కర్ర ఉపయోగించండి. చర్మానికి, కళ్ళకు మరియు దుస్తులకు తగలనివ్వకండి. మంచు తుంపరలు మరియు నీటి ఆవిరిని పీల్చకండి. చర్మానికి తగలకుండా చూసేందుకు చేతికి గ్లౌజులు ధరించండి. ఉత్పాదనను సంభాళించేటప్పుడు దుస్తులు, మాస్క్, చలవకళ్ళద్దాలు మరియు బూట్లు ఉపయోగించకండి. ఉత్పాదనను వినియోగించేటప్పుడు తినకూడదు, తాగకూడదు లేదా ధూమపానం చేయకూడదు. పని పూర్తయిన తరువాత సబ్బు మరియు నీటితో చేతులు కడుక్కోండి మరియు దుస్తులు మార్చుకోండి. కీటకనాశనితో గాలిని మరియు నీటి మడుగులు మలినపడటాన్ని నివారించండి. మలినపడిన దుస్తులను ఉతికించండి.

పంటలకు స్నేహపూర్వకమైన తేనెటీగలు, మరియు ప్రకృతిసిద్ధంగా కీటకాలకు శత్రువులైన కీటకాలకు హాని కలుగకుండా ముందుజాగ్రత్తలు తీసుకోవాలి.

విషపు లక్షణాలు: పెద్ద మొత్తాల్లో మింగితే తప్ప ఎక్యూట్ సిస్టమిక్ టాక్సిసిటి కలిగే అవకాశం లేదు. విషపు లక్షణాల్లో కళ్ళు, చర్మం మరియు శ్వాస మార్గం మంటపుట్టడం, హైపోయాక్టివిటి, చొంగకారడం, ఆయాసం, మెత్తని మలం, ఎర్రని మరకలు గల మూత్రం, వణుకుడు, స్పర్శకు హైపోథెర్మిక్, ఎరిథెమా మొదలైనవి ఉండొచ్చు.

ప్రాథమిక చికిత్స: ప్రభావిత వ్యక్తిని బాగా వెలుతురు లేదా తాజా గాలి ఉన్న చోటుకు తీసుకెళ్ళండి మరియు ఒళ్ళు చల్లబడకుండా కాపాడండి. ఒకవేళ చర్మానికి తగిలితే: మలినపడిని దుస్తులను తొలగించండి మరియు ప్రభావిత శరీర భాగాలను సబ్బు మరియు నీటితో క్షుణ్ణంగా కడగండి. ఒకవేళ కంటికి తగిలితే: అనేక నిమిషాల సేపు పరిశుభ్రమైన నీటితో కళ్ళను కడుక్కోండి. ఒకవేళ మింగితే: వెంటనే వైద్య డాక్టరు వద్దకు వెళ్ళండి.

గమనిక: అపస్మారక స్థితిలో ఉన్న వ్యక్తికి ఎప్పుడూ వాంతులు తెప్పించవద్దు లేదా నోటి ద్వారా ఏదీ ఇవ్వకూడదు. నీటితో నోటిని కడిగి స్మారకస్థితిలో మరియు అప్రమత్తంగా ఉంటే ఒకటి లేదా రెండు గ్లాసుల నీరు ఇవ్వండి.

మొక్కలపై విషప్రభావము: సిఫారసు చేయబడిన మోతాదులో వాడినట్లయితే పంటలకు విషప్రభావం వుండదు.

విరుగుడు : నిర్దిష్టమైన విరుగుడు ఏమిటో తెలియదు. లక్షణాలను బట్టి చికిత్స చేయాలి.

ఖాళీ డబ్బాలను పారవేయు విధానము: 1 . ప్యాకేజీలు లేదా డబ్బాలను పగులకొట్టి, మనుష్య సంచారానికి దూరంగా పాతిపెట్టాలి.2. ఖాళీ డబ్బాలను తిరిగి ఏవిధంగానూ వాడరాదు గనుక వాటినలా బయట వదిలేయరాదు.3 . ఖాళీ డబ్బాలను, మిగిలిపోయిన మందు లేదా పరికరాలు కడుగగా వచ్చిన నీటిని కడుజాగ్రత్త వహిస్తూ అంటే పరిసరాలు నీరు, నీటి వొనరులేవీ కలుషితం కాకుండా పారవేసుకోవాలి.

నిల్వ: 1. ఈ కీటకనాశనిగల ప్యాకేజీలను ఇతర పదార్థాలు అంటే మరిముఖ్యంగా ఆహార పదార్థములు నిల్వ చేసే గదులు లేదా ఆవరణలలో గాకుండా వేరుగా, వాటి యొక్క పరిమాణం మరియు నైజాన్నిబట్టి వేరువేరు అలమారాలలో పెట్టి తాళం వేసి మాత్రమే నిల్వ చేయాల్సి వుంది. 2. దీన్ని నిల్వ చేసే గదులు లేదా ఆవరణలు గట్టి కట్టడముల్తై, మంచి గాలి వెలుతురు ప్రసరించేలా, విశాలంగా వుండి తీరాలి. అంతేగాక నీటిని నిల్వ చేసే గదులు లేదా ఆవరణలు చల్లగా, పొడిగా వుండాలి.

రసాయనిక మిశ్రమం :

పైమెట్రోజైన్ ఎ.ఐ.	50.00 % బ/బ
లిగ్నోసల్ఫోనిక్ యాసిడ్ సోడియం సాల్ట్	10.00 % బ/బ
డైబుటైల్ నాఫ్తాలీన్ సల్ఫోనిక్ యాసిడ్ సోడియం సాల్ట్ యొక్క ఐసోమర్‌ల మిశ్రమం	5.00 % బ/బ
యాంటిఫోమింగ్ ఏజెంట్‌లు: పాలిడైమిథైలసిలోక్సేన్	0.20 % బ/బ
క్యారియర్‌లు: సోడియం సల్ఫేట్	5.00 % బ/బ
ఫార్మల్‌డీహైడ్‌తో యూరియా, పాలిమర్	10.00 % బ/బ
సిలికాన్ ఆక్సైడ్	కావలసినంత
మొత్తం	100.00 % బ/బ

హెచ్చరిక : 1. ఇందివ్వబడిన లేబుల్ లేదా కరపత్రంలో సూచించబడిన పంటలకు మరియు వాటినాశించే క్రిమికీటకాదులకు తప్ప, మరే ఇతర పంటలకు మరియు క్రిమికీటకాదులకు దీన్ని వాడరాదు. 2. దీన్ని కోతకాలం తర్వాత వాడకంగా మాత్రం వాడరాదు. 3. కరపత్రంలో సూచించబడిన విధంగా ఖాళీ డబ్బాలను పగులకొట్టి నాశనం చేయాలి. **అనేది మిక్కిలి ప్రమాదకరమైనది గుర్తించాలి.**

பைமேட்

பைமிட்ரோஜைன் 50% டபுள்யூஜி

(பூச்சிக்கொல்லி)

பைமிட்ரோஜைன் 50% டபுள்யூஜி ஓர் ஊடுருவும் பூச்சிக்கொல்லி, நெற்பயிரில் புகையான் பூச்சிகளைக் கட்டுப்படுத்தச் சிறந்தது. இலை தெளிப்பாகச் செய்யும் போது கூட தப்பித்துவிடும் பூச்சிகள் பைமிட்ரோஜைன் 50% டபுள்யூஜி தெளிப்பு மருந்து பட்டவுடன் அவை உண்பதை நிறுத்திக்கொண்டு படிப்படியாக இறந்துவிடும்.

எச்சரிக்கை: பைமிட்ரோஜைன் 50% டபுள்யூஜி லேபில்/கையேட்டில் கொடுத்திருக்கும் பயிர்களைத் தவிர்த்து வேறு பயிர்கள் மீது பயன்படுத்தக் கூடாது.

பரிந்துரை :

பயிர்	பூச்சியின் பொதுப் பெயர்	ஒரு ஹெக்டேருக்கு அளவு		கரைக்கும் நீர் அளவு (லிட்டர்)	கடைசித் தெளிப்பில் இருந்து அறுவடை வரை காத்திருப்புக் காலம் (நாட்களில்)
		தீ.மூ. (தி.)	மருந்து (மி.லி.)		
நெல்	புகையான்	150	300	500	19

மருந்து தெளித்த பிறகு நடமாட்டம்: 24 மணி நேரத்திற்குப் பிறகு.

பயன்படுத்த குறிப்புக்கள்: முதலில் தேவையான அளவு மருந்தை எடுத்துக் கொண்டு, சிறிதளவு தண்ணீர் சேர்த்து கலக்கிக் கொள்ளுங்கள். பின்பு குறிப்பிட்டுள்ளபடி தேவையான மீதி தண்ணீரை சேர்த்து நன்கு கலக்கிக் கொள்ளுங்கள். பயிரில் பூச்சி தென்பட்டதும் நாப்சாக் தெளிப்பான் கொண்டு தெளியுங்கள் மற்றும் தேவை எனில் மீண்டும் தெளியுங்கள். அதிகபட்சம் இரண்டு தெளிப்புகள் தெளிக்கலாம். முதல் தெளிப்பு பூச்சித்தாக்கம் பொருளாதார வாயில் நிலை எட்டியது தென்பட்டதும்.

வானிலை நிலவரம் (பொதுவாக): சாதகமில்லாத வானிலையின் போது மருந்து தெளிக்கக் கூடாது.

மண் மற்றும் நிலம் (பொருந்தும் இடங்களில்): இளக்க மண் மண் மற்றும் கடின மண் தெளிப்பு கரைசலுக்கு சுத்தமான நீரைப் பயன்படுத்த வேண்டும்

மருந்து தெளிக்கும் றை: இலை தெளிப்பு

தெளிப்பு தடவை : பூச்சி மொய்ப்பு அடிப்படையில்

மருந்து தெளிப்பும் பயிர் பருவம்: இலை தழைப் பருவத்திலிருந்து பூக்கும் பருவம் வரை:

பயன்படுத்தும் காலம்: கீழே கொடுக்கப்பட்டிருக்கும் பரிந்துரையைப் பின்பற்றி பைமிட்ரோஜைன் 50% டபுள்யூஜி மருந்தைப் பயன்படுத்தும் போது நெற்பயிரில் புகையான் பூச்சித்தொல்லையைச்சிறப்பாகக் கட்டுப்படுத்த டியும்.

முன் எச்சரிக்கைகள்: தெளிப்பு கரைசலை தயாரிக்க சமையல் பாத்திரங்களை பயன்படுத்தாதீர்கள். தெளிப்பு கரைசலை கலக்க, ஒரு குச்சியைப் பயன்படுத்துங்கள். வாய், கண்கள் மற்றும் சருமத்தின் மீது படாமல் தவிர்த்திடுங்கள். மருந்தின் புகை மற்றும் வாயுக்களை சுவாசிக்காமல் தவிருங்கள். சருமத்தின் மேல் படாமலிருக்க கை உறைகளை போட்டுக் கொள்ளுங்கள். மருந்தைகையாளும்போது, பாதுகாப்பான ஆடைகள், முக கவசம், கண்ணாடிகள் மற்றும் பூட்ஸ் போட்டுக் கொள்ள வேண்டும். வேலை முடிந்ததும், கைகளை சோப்பால் கழுவி, ஆடைகளை மாற்றிக் கொள்ளுங்கள். பூச்சிக் கொல்லி மருந்தை எங்காவது வீசி, காற்றை மாசு படுத்துவதோ அல்லது நீர் நிலைகளை மாசு படுத்துவதோ கூடாது. மருந்துபட்ட துணிகளையும் சுத்தம் செய்யுங்கள்.

நன்மை பயக்கும் பூச்சிகள் மற்றும் தீம்பூச்சிகளை வேட்டையாடும் உயிரினங்கள் மற்றும் தேனீக்களுக்கு தீங்கு ஏற்படாதிருக்க தேவைப்படும் ன்னெச்சரிக்கைகள்:

விஷத்தன்மைக்கான அறிகுறிகள்: அதிகமான அளவில் மருந்து உட்சென்றிருந்தால் அன்றி தீவிர ஊடுருவம் விஷத்தன்மை ஏதும் இல்லை. கண்கள், சருமம் மற்றும் மூச்சுக்குழாயில் எரிச்சல், இயக்கக் குறை, கண்ணீர் பெருக்கு, பசியின்மை, மிருதுவாக மலம் கழிதல், செந்நிறத்தில் சிறுநீர் கழித்தல், நடுக்கம், ஹைபோதர்மியா, செந்தடிப்பு.

முதல் உதவி: பாதிக்கப்பட்ட நபரை, காற்றோட்டமான பகுதிக்கு கொண்டு செல்லுங்கள். அவர் உடல் மிகவும் குளிர்ந்து விடாமல் பாதுகாத்திடுங்கள். சருமத்தில் பட்டிருந்தால்: மருந்து பட்ட ஆடைகளை அகற்றி, உடலில் மருந்து பட்ட பாகங்களை சோப் மற்றும் நிறைய தண்ணீரால் முழுமையாக சுத்தம் செய்யுங்கள். கண்களில் பட்டிருந்தால்: நிறைய தெளிவான தண்ணீரை கண்களில் பல நிமிடங்களுக்கு வாரியிறைத்து கழுவி மருத்துவரிடம் காட்டவும். விழுங்கியிருந்தால்: உடனடியாக மருத்துவரின் உதவியைப் பெறுங்கள்.

குறிப்பு: சுயநினைவு இல்லாத நபருக்கு வாந்தியைத் தூண்டாதீர்கள் மற்றும் வாய் வழியே எதையும் கொடுக்காதீர்கள். தண்ணீர் கொண்டு வாய் கொப்பளிக்கவும் மற்றும் சுயநினைவில் இருந்தால் ஒன்று அல்லது இரண்டு கிளாஸ் தண்ணீர் குடிக்கக் கொடுக்கவும்.

தாவரங்களுக்கு விஷத்தன்மை: பரிந்துரைக்கப்பட்ட அளவில் பயன்படுத்தினால் பயிர்களுக்கு விஷத்தன்மை ஏற்படுத்தாது.

விஷ முறிவு மருந்து: குறிப்பிட்ட விஷமுறிவு மருந்து ஏதுமில்லை. அறிகுறிகளுக்கேற்ப சிகிச்சை அளிக்கவும்.

பயன்படுத்திய கொள்கலன்களை அப்புறப்படுத்துதல்: 1. காலி கொள்கலன்கள் உடைக்கப்பட்டு மனித நடமாட்டம் இல்லாத இடத்தில் புதைக்கப்பட வேண்டும். 2. பயன்படுத்திய கொள்கலன்களை மீண்டும் பயன்படுத்துவதைத் தடுக்க அவை வெளியில் விட்டுவைக்கப்படக் கூடாது. 3. சுற்றுப்புறச்சூழல் மற்றும் நீர்நிலைகள் மாசுபடுவதைத் தவிர்க்க பேக்கேஜ்கள் அல்லது எஞ்சிய மருந்து மற்றும் எந்திரங்கள் மற்றும் தெளிப்பான்களைக் கழுவிய நீர் கொள்கலன்களை முறையில் அப்புறப்படுத்தப்பட வேண்டும்.

சேமிப்பு: 1) பூச்சிக்கொல்லி அடங்கிய பேக்கேஜ்களை அதன் இயல்பு அல்லது அளவுக்கேற்ப தனி அறைகளில் அல்லது இடங்களில் பிறபொருட்களை வைத்திருக்கும் அறைகளுக்கு அப்பால் அல்லது தனி அலமாரிகளில் பூட்டி வைக்கவும். 2) பூச்சிக்கொல்லிகள் வைக்கப்பட்டிருக்கும் அறைகள் அல்லது இடங்கள் நல்ல வெளிச்சமுள்ளதாக, உலர்ந்த, காற்றோட்டத்துடன் ஆவியால் பாதிப்பு ஏற்படாத வகையில் நன்கு கட்டப்பட்டதாக போதிய நீள அகல உயரங்களுடன் இருத்தல் வேண்டும்.

இராசயனக் கலவை:

பைமெட்ரோஜைன் தீ.மூ.	50.00 % எ/எ
லிக்னோசல்ஃபோனிக் ஆசிட் சோடியம் சால்ட்	10.00 % எ/எ
டைபுடில்நாப்தலீன் ஸல்ஃபோனிக் ஆசிட் சோடியம் சால்ட்-ன் ஐஸோமெர்ஸ் கலவை	5.00 % எ/எ
ஆன்டிஃபோமிங் ஏஜெண்ட்கள்: பாலிடைமெதைல்சிலோக்ஜேன்	0.20 % எ/எ
எடுத்துச் செல்பவை: சோடியம் சல்பேட்	5.00 % எ/எ
யூரியா, பாலிமர் ஃபார்மல் டிஹைட் உடன்	10.00 % எ/எ
சிலிசியம் ஆக்ஸைடு	தயாரிக்கத் தேவைக்கேற்ப
மொத்தம்:	100.00 % எ/எ

எச்சரிக்கை: 1. இந்த லேபில் மற்றும் கையேட்டில் குறிப்பிட்டிருக்கும் பயிர்களைத் தவிர்த்து வேறு பயிர்கள் மீது தெளிக்கக் கூடாது. 2. அறுவடைக்குப் பிந்திய பயன்பாட்டிற்கு ஏற்றது அல்ல. 3. கையேட்டிலுள்ள குறிப்புகளைப் பின்பற்றி கொள்கலன்களை அழித்துவிடவும். **காலி கொள்கலன்களை மறுஉபயோகம் செய்வது ஆபத்தானது**

ಪೈಮೇಟ್
ಪೈಮೆಟ್ರೋಝೈನ್ 50% ಡಬ್ಲ್ಯು.ಜಿ
(ಕೀಟನಾಶಕ)

ಸಿಂಪಡಣೆಯಿಂದ ನಿಯಂತ್ರಿಸಲ್ಪಡುತ್ತವೆ, ಅವುಗಳು ಸಸ್ಯಗಳನ್ನು ಆಹಾರ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸುತ್ತದೆ ಮತ್ತು ಇದರ ಸಿಂಪಡಣೆಯ ಸಂಪರ್ಕಕ್ಕೆ ಬಂದ ಕೀಟಗಳು ಕ್ರಮಶಹ ನಾಶ ಹೊಂದುತ್ತರವೆ.

ಮುನ್ನೆಚ್ಚರಿಕೆ: ಈ ಕರಪತ್ರದಲ್ಲಿ ಹೆಸರಿಸಿದ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಹೊರತು ಪಡಿಸಿ ಪೈಮೆಟ್ರೊರಝಾಯಿನ್ 50% ಡಬ್ಲ್ಯೂ ಜಿ ಇದನ್ನು ಬೇರೆ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ ಬಳಸುವಂತಿಲ್ಲ.

ಶಿಫಾರಸುಗಳು:

ಬೆಳೆ	ಕೀಟದ ಸರ್ವಸಾಮಾನ್ಯ ಹೆಸರು	ಡೋಸೇಜ್ ಪ್ರತಿ ಹೆಕ್ಟೇರಿಗೆ		ಎಷ್ಟು ನೀರು ಸೇರಿಸಬೇಕು (ಲೀಟರ್)	ಕೊನೆಯ ಸ್ಪ್ರೇಯಿಂದ ಕೊಯ್ಲಿನ ವರೆಗೆ ಕಾಯಬೇಕಾದ ಸಮಯ (ದಿನಗಳು)
		ಎ.ಐ. (ಗ್ರಾ.)	ಫಾರ್ಮ್ಯುಲೇಶನ್ (ಮಿಲೀ)		
ಭತ್ತ	ಕಂದು ಜಿಗೀ ಹುಳು	150	300	500	19

ಮರು-ಪ್ರವೇಶಕ್ಕೆ ಅವಧಿ : 24 ಗಂಟೆಗಳ ನಂತರ.

ಬಳಸಲು ನಿರ್ದೇಶನಗಳು : ಅಗತ್ಯ ವಿರುವ ಪ್ರಮಾಣದ ಕೀಟನಾಶಕವನ್ನು ಮಾಪನ ಮಾಡಿ ತೆಗೆದು ಅದನ್ನು ಸ್ವಲ್ಪ ಪ್ರಮಾಣದ ನೀರಿಗೆ ಸೇರಿಸಿ ಮಿಶ್ರಣ ಮಾಡಿರಿ. ನಂತರ ದ್ರಾವಣವನ್ನು ತಯಾರಿಸಲು ಅಗತ್ಯ ವಿರುವ ಉಳಿದ ಪ್ರಮಾಣದ ನೀರನ್ನು ನಿಧಾನವಾಗಿ ಸೇರಿಸಿರಿ. ಈ ಕೀಟಗಳು ಬೆಳೆಯ ಮೇಲೆ ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡಾಗ ನ್ಯಾಪ್‌ಸ್ಯಾಕ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್‌ನಿಂದ ದ್ರಾವಣವನ್ನು …

পাইমেট
পাইমেট্রোজিন ৫০% ডাবলুজি
(কীটনাশক)

… প্রয়োগ করা যেতে পারে, যাদের সরাসরি স্প্রে করে নিয়ন্ত্রণ করা যায় না। এই স্প্রের সংস্পর্শে আসার পরে কীট খাদ্য গ্রহণ বন্ধ করে দেয় এবং ধীরে ধীরে মরে যায়।

সতর্কতা: পাইমেট্রোজিন ৫০% ডাবলুজি এই লিফলেটে উল্লিখিত ফসল ব্যতীত অন্য ফসলের উপর প্রয়োগ করা যাবে না।

সুপারিশ:

ফসল	আগাছার বৈজানিক নাম	প্রতি হেক্টর প্রয়োগ মাত্রা		জলে তরলীকরণ (লিটার)	অন্তিম স্প্রে এবং ফসল কাটার মধ্যে অপেক্ষমান সময়কাল (দিন)
		এ.আই (গ্রাম)	ফর্মুলেশন (মিলী)		
চাল	ব্রাউন প্লান্ট হপার	১৫০	৩০০	৫০০	১৯

পুনঃ-প্রবেশের সময়কাল: ২৪ ঘণ্টা পরে।

ব্যবহারের পদ্ধতি : আবশ্যাক পরিমাণ কীটনাশক মেপে নিন এবং অল্প পরিমাণ জলের সাথে তা ভালো করে গুলে নিন এবং আবশিষ্টাংশ জল ধীরে ধীরে মিশিয়ে মিশ্রণটি তৈরী করুন। ফসলের ওপর যখন কীট দেখা যায় তখন ন্যাপস্যাক স্প্রেয়ার দিয়ে স্প্রে করুন এবং আবশ্যক অনুযায়ী বার বার করুন। …

পাইমেট
পাইমেট্ৰজিন ৫০% ডব্লিউ জি
(কীটনাশক)

… ডব্লিউ জি কীটৰ দ্বাৰা নিয়ন্ত্ৰণ কৰা হয় আৰু ইয়াৰ স্প্ৰেঐৰ সংস্পৰ্শলৈ অহাৰ পিছত ক্ৰমান্বয়ে মৰি যায় ।

সাৱধান : এই লিফলেটত উল্লেখ কৰা শস্যৰ বাহিৰে আন শস্যত পাইমেট্ৰঐজিন ৫০% ডব্লিউ জি ব্যৱহাৰ কৰিব নালাগে ।

অনুমোদনসমূহ:

শস্য	কীটৰ সাধাৰণ নাম	মাত্ৰা প্ৰতি হেক্টৰত			শেষবাৰ ছটিওৱাৰ 'পৰা শস্য চপোৱাৰ মাজৰ প্ৰতীক্ষাৰ সময় (দিনত)
		সক্ৰিয় উপাদান (গ্ৰা)	সূত্ৰবদ্ধ (মিলি)	পানীত মিশ্ৰণ (লি)	
ধান	মুগা বৰণীয়া ফৰিং	১৫০	৩০০	৫০০	১৯

পুনঃপ্ৰৱেশ সময়সীমা: ২৪ ঘন্টাৰ পিছত ।

প্ৰয়োগৰ নিৰ্দেশ: আৱশ্যকীয় পৰিমাণৰ কীটনাশক লৈ ইয়াক সামান্য পৰিমাণৰ পানীৰ সৈতে মিশ্ৰণ কৰক আৰু লাহে লাহে অৱশিষ্ট পানীখিনি মিহলাই মিশ্ৰণ তৈয়াৰ কৰক। শস্যত কীট ওলোৱাৰ সময়ত নেপচেক স্প্ৰেয়াৰ দি প্ৰয়োগ কৰক আৰু কীট দেখিলে আৱশ্যক অনুযায়ী পুনৰাই …

പൈമേറ്റ്
പൈമെട്രോസൈൻ 50% ഡബ്ല്യു ജി
(കീടനാശിനി)

… ഡബ്ല്യു ജി വഴി നിയന്ത്രിക്കാനാവും. ഇതിന്റെ തളിയുമായി ബന്ധം വന്നാൽ കീടങ്ങൾ ഭക്ഷിക്കുന്നത് നിറുത്തുകയും ക്രമേണ ചാവുകയും ചെയ്യുന്നു.

ജാഗ്രത : പൈമെട്രോസൈൻ 50% ഡബ്ല്യു ജി ഈ ലേബലിൽ നിർദ്ദേശിച്ചിട്ടുള്ള വിളകളിൽ അല്ലാതെ മറ്റൊന്നിലും ഉപയോഗിക്കരുത്.

നിർദ്ദേശങ്ങൾ:

വിള	കീടത്തിന്റെ സാധാരണ പേര്	ഡോസേജ്/ഹായ്ക്ക്		നേർപ്പിക്കാൻ വെള്ളം (ലി.)	വിളവെടുപ്പിനും അവസാന തളിയ്ക്കും ഇടയ്ക്കുള്ള കാത്തിരിപ്പു കാലം (ദിവസം)
		സ.ഘ. (ഗ്രാം)	ഫോർമുലേഷൻ (എംഎൽ)		
നെല്ല്	തവിട്ടു പുൽച്ചാടി	150	300	500	19

പുനപ്രവേശന കാലയളവ് : 24 മണിക്കൂർ.

ഉപയോഗിക്കേണ്ട വിധം: കീടനാശിനിയുടെ ആവശ്യമുള്ള അളവ് അളന്നെടുത്ത് അൽപം വെള്ളത്തിൽ കലർത്തുക. തുടർന്ന് ലായനി തയ്യാറാക്കുന്നതിന് ശേഷിക്കുന്ന വെള്ളം ചേർക്കുക. വിളയിൽ കീടത്തെ കാണുമ്പോൾ നാപ്പ്സാക്ക് സ്പ്രേയർ ഉപയോഗിച്ച് തളിക്കുക. ആവശ്യമെങ്കിൽ വീണ്ടും ഉപയോഗിക്കുക. പരമാവധി രണ്ട് തളി …

ପାଇମେଟ୍
ପାଇମେଟ୍ରୋଜାଇନ୍ 50% ଡବ୍ଲୁଜି
(କୀଟନାଶକ)

… ଲାଗୁଥିବା କିଟପୋକଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ କରାଯାଏ, ଯାହା ସିଧା ସଳଖ ସ୍ପ୍ରେ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇନଥାନ୍ତି । ଏହି ସ୍ପ୍ରେ ସଂସ୍ପର୍ଶରେ ଆସିବା ପରେ କୀଟପୋକ ଧୀରେଧୀରେ ଭକ୍ଷଣ କରିବା ବନ୍ଦ କରି ଦେଇଥାଆନ୍ତି, ଫଳରେ ସେମାନଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ଘଟିଥାଏ ।

ସତର୍କ ଅବଲମ୍ବନ : ପାଇମେଟ୍ରୋଜାଇନ୍ ୫୦% ଡବ୍ଲୁଜି ର ଉପଯୋଗ ପତ୍ରିକାରେ ନିର୍ଦ୍ଦେଶିତ ଫସଲ ବ୍ୟତୀତ ଅନ୍ୟ କୌଣସି ଫସଲ ଉପରେ କରାଯିବା ଅନୁଚିତ ।

ସୁପାରିଶ:

ଶସ୍ୟ	ରୋଗର ଜଣାଶୁଣା ନାମ	ପାନ/ହେକ୍ଟର		ପ୍ରତୁତି ଦିନ ଜଳ ମିଶ୍ରଣ (ଲିଟର)	ଶେଷ ସିଞ୍ଚନ ଅମଳ ମଧ୍ୟରେ ଅପେକ୍ଷା ଅବଧି (ଦିନରେ)
		ଏ.ଆଇ. (ଗ୍ରାମ)	ପ୍ରସ୍ତୁତି (ମିଲି)		
ଧାନ	ପାଉଁଶିଆ ପତ୍ରଡିଆଁ	୧୫୦	୩୦୦	୫୦୦	୧୯

ପୁନଃପ୍ରବେଶ ଅବଧି : ୨୪ ଘଣ୍ଟା.

ବ୍ୟବହାର ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳି: ଆବଶ୍ୟକ ପରିମାଣର କୀଟନାଶକ ମାପ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ଏହାକୁ ଅଳ୍ପ ପରିମାଣର ଜଳ ସହ ମିଶାନ୍ତୁ ଓ ଧୀରେ ଧୀରେ ଅବଶିଷ୍ଟ ଜଳ ମିଶାଇ ଦ୍ରବଣ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରନ୍ତୁ। ସେତେବେଳେ ଶସ୍ୟରେ ପୋକ ଦେଖାଦିଏ, ନାପ୍‌ସାକ୍ସ ସ୍ପ୍ରେୟରରେ ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ଯଦି ଆବଶ୍ୟକ ଏହା ପୁନର୍ବାର ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ, …

پائمیٹ
پائمیٹروزِن 50% ڈبلیو جی
(کیڑے مار دوا)

بھی پائمیٹروزِن 50% ڈبلیو جی سے قابو ہوجاتے ہیں۔ دوا کے چھڑکاؤ کی زد میں آنے کے بعد کیڑے غذا لینا بند کردیتے ہیں اور دھیرے دھیرے مر جاتے ہیں۔

احتیاط: پائمیٹروزِن 50% ڈبلیو جی کا استعمال ہدایات کی اس پرچی میں درج فصلوں کے علاوہ کسی اور فصل پر نہیں کرنا چاہیئے۔

سفارشات:

فصل	کیڑے کا عام نام	مقدار/ہیکٹر			انتظار کا عرصہ (دن)
		اے۔آئی (گرام)	فارمولیشن (ملی لیٹر)	محلول کا پانی (لیٹر)	
چاول	بی پی ایچ، ڈبلیو بی پی ایچ،	150	300	500	19

دوبارہ داخلے کا وقفہ: 24 گھنٹے

ہدایات برائے استعمال: کیڑے مار دوا کی ضروری مقدار پیمائش کریں اور اسے پانی کی تھوڑی مقدار میں شامل کریں، پھر باقی پانی کو دھیرے دھیرے شامل کرتے ہوئے محلول تیار کریں۔ فصل میں کیڑوں کے ظاہر ہونے پر محلول کو نیپ سیک اسپرے مشین کے ذریعے چھڑکاؤ کریں، اور کیڑوں کی تعداد کو مد نظر رکھتے ہوئے ضرورت …

Read the instructions before use

उपयोग से पहले सुचना पत्रिका पढ़ें

For Agricultural use only

केवल कृषि उपयोग के लिए

PYMATE®
Pymetrozine 50% WG
(Insecticide)

पाईमेट
पाईमेट्रोजिन ५०% डब्ल्यू.जी.
(कीटनाशक)

پائمیٹ
پائمیٹروزِن 50% ڈبلیو جی
(کیڑے مار دوا)

Godrej agrovet

"Pymate" is a registered trademark of Godrej Agrovet Limited.
Copyright ©, Trademark and all Rights Reserved by Godrej Agrovet Limited 2025.

Manufactured and Marketed by :
Godrej Agrovet Limited, Regd. Office : Godrej One, 3rd Floor, Pirojshanagar, Eastern Express Highway, Vikhroli (East), Mumbai-400079, Maharashtra, India. Manufacturing Premises : Lane No, 7, Indl. Growth Centre, Samba, Jammu- 184121, J&K, India.

निर्माता और विपणनकर्ता: गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड, रजि. ऑफिस: गोदरेज वन, तीसरी मंजिल, पिरोजशाह नगर, इस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे, विक्रोली (पू), मुंबई – ४०० ०७९, महाराष्ट्र , इंडिया। उत्पादन परिसर : लेन नं.७, इन्डस्ट्रीयल ग्रोथ सेन्टर, साम्बा, जम्मू–१८४१२१, जम्मू एन्ड कश्मीर, भारत ।

In case of complaints, please contact our customer service executive at the Registered Office address of the Manufacturer and Marketer or email at gavlho@godrejagrovet.com or call us at 022 –2519 4491 (Call between 9:30 am– 5:30 pm, Mon – Fri, Business days) Website: www.godrejagrovet.com

शिकायतों के मामले में, कृपया निर्माता और विपणनकर्ता के पंजीकृत कार्यालय के पते पर हमारे ग्राहक सेवा कार्यकारी से संपर्क करें या ईमेल करें **gavlho@godrejagrovet.com** या हमें ०२२ –२५१९ ४४९१ पर कॉल करें (सुबह ९:३० से शाम ५:३० बजे के बीच सोमवार से शुक्रवार,व्यावसायिक दिनों, में संपर्क करें) वेबसाइट: **www.godrejagrovet.com**